वर्ष-17 अंक-75 पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए कानपुर, रविवार 19 मार्च 2023

कानपुर व औरैया से एक साथ प्रकाशित, लखनऊ, इलाहाबाद, बुंदेलखंड, फतेहपुर, इटावा, कन्नौज, मैनपुरी, ऐटा, हरदोई, उन्नाव, कानपुर देहात में प्रसारित

RNI N.UPHIN/2007/27090

दैनिक
नगर छाया
आप की आवाज़.....

www.nagarchhaya.com

छात्र-छात्राओं ने चलाया गाजर घास उन्मूलन कार्यक्रम

कानपुर (नगर छाया समाचार)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना की इकाई एक एवं दो तथा तीन के छात्र-छात्राओं का कार्यक्रम में सात दिवसीय विशेष शिविर आयोजित हो रहा है जिसमें सभी छात्र छात्राओं ने साग भाजी प्रक्षेत्र कल्याणपुर में गाजर घास के उन्मूलन के का अभियान चलाया। खेतों में समस्या बनी हुई। इस गाजर घास के उन्मूलन को नष्ट करने हेतु प्रभारी डॉक्टर आरबी सिंह ने सब्जी विज्ञान में सभी बच्चों को प्रेरणा दी। तथा इसके दुष्प्रभाव के बारे में बताया कि यह मनुष्य में स्वास और त्वचा रोग उत्पन्न करती है तथा डॉ राजीव ने अपने संबोधन में कहा कि यदि गाजर घास का पुष्पावस्था से पहले उखाड़कर जमीन में दबा दिया जाए अथवा नष्ट कर दिया जाए तो इसके प्रसारण को रोका जा सकता है। कार्यक्रम को संचालित करते हुए डॉ संजीव कुमार सिंह कार्यक्रम अधिकारी ने बच्चों का उत्साहवर्धन किया तथा इस खरपतवार खतरनाक खरपतवार के नियमित रूप से उन्मूलन पर विशेष जोर दिया इस अभियान के दौरान डॉ पीके तिवारी डॉ राजीव पाल डॉक्टर रश्मि सिंह सहित सभी बच्चों के साथ भ्रमण कराते हुए तकनीकी बिंदुओं पर चर्चा की। उधर राष्ट्रीय सेवा योजना की इकाई 3 की कार्यक्रम अधिकारी डॉक्टर रश्मि सिंह ने छात्राओं के साथ मिलकर कैम्पस की ओल्ड डेरी फ़र्म पर महिलाओं एवं बच्चों को साफ सफाई के तरीकों के बारे में और गंदगी से होने वाली जानलेवा बीमारियों के बारे में भी लोगों को जागरूक किया।

श्री अन्न के सेवन से सेहत फिट रहती

'श्रीअन्न मोटे अनाज' पर प्रधानमंत्री के उद्बोधन का सजीव प्रसारण किसानों को दिखाया गया

डीटीएनएन

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीपनगर पर आज श्रीअन्न मोटे अनाज पर प्रधानमंत्री के उद्बोधन का सजीव प्रसारण किसानों को दिया कर दिखाया गया। श्री अन्न मोटे अनाज को कहा जा रहा है. समय के साथ ज्यादातर लोग गेहूं और चावल जैसे अनाज तक सीमित हो गए हैं और मोटे अनाज का इस्तेमाल काफी कम हो गया, जबकि भारत में कई तरह के मोटे अनाज की पैदावार होती है. मोटा अनाज सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होता है. भारत श्री अन्न का सबसे बड़ा उत्पादक और दूसरा सबसे बड़ा निर्यातक है. श्री अन्न की ताकत और इसके तमाम फायदों को देखते हुए सरकार की ओर से इसको प्रमोट किया जा रहा है और लोगों की थाली में फिर से वापस लाने का प्रयास किया जा रहा है। इसी परिपेक्ष्य में श्री अन्नों के उत्पादन व उपभोग को बढ़ावा देने हेतु भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान नई दिल्ली में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय मिलेट सम्मेलन का सजीव प्रसारण कृषि विज्ञान केंद्र कानपुर देहात में आयोजित किया गया। प्रधानमंत्री द्वारा दिया वक्तव्य की श्री अन्न द्वारा फूड हैबिट की समस्या का निदान हो सकता है पर सभी प्रतिभागी कृषक व महिलाओं ने ताली बजा कर समर्थन किया। कार्यक्रम में केंद्र के प्रभारी डॉक्टर ए के सिंह ने कृषकों का स्वागत करते हुए कहा कि आज के समय में ज्यादातर लोगों को पेट से जुड़ी समस्याएं परेशान करती हैं महीन अनाज का सेवन इसके बड़े कारणों में से एक है. महीन अनाज खाने में बेशक स्वादिष्ट लगता हो, लेकिन सेहत के मामले में मोटा अनाज कहीं ज्यादा गुणकारी है. मोटा अनाज फाइबर का अच्छा स्रोत होता है और आपके पेट के लिए बहुत अच्छा माना जाता है. इसके अलावा मोटे अनाज में मिनरल्स, विटामिन्स आदि तमाम पोषक तत्व गेहूं और चावल की तुलना में कहीं ज्यादा होते हैं। कार्यक्रम में केंद्र के वैज्ञानिक डॉ. खलील खान, डॉ राजेश राय, डॉ अरुण कुमार सिंह , डॉ शशि कांत, निमिषा अवस्थी के साथ कृषक चरण सिंह, छुन्ना सिंह, राजू, सुनील, कृषक महिला माया देवी, गुड़िया, मीना के साथ 65 कृषकों ने प्रतिभाग किया।

किसानों को दिखाया गया 'श्रीअन्न मोटे अनाज पर प्रधानमंत्री के उद्बोधन' का सजीव प्रसारण

भारत श्री अन्न का सबसे बड़ा उत्पादक और दूसरा सबसे बड़ा निर्यातक

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीपनगर पर आज 'श्रीअन्न मोटे अनाज' पर प्रधानमंत्री मोदी के उद्बोधन का सजीव प्रसारण किसानों को दिया कर दिखाया गया। श्री अन्न मोटे अनाज को कहा जा रहा है। समय के साथ ज्यादातर लोग गेहूं और चावल जैसे अनाज तक सीमित हो गए हैं और मोटे अनाज का इस्तेमाल काफी कम हो गया, जबकि भारत में कई तरह के मोटे अनाज की पैदावार होती है।

मोटा अनाज सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होता है। भारत श्री अन्न का सबसे बड़ा उत्पादक और दूसरा सबसे बड़ा निर्यातक है। श्री अन्न की ताकत और इसके तमाम फायदों को देखते हुए सरकार की ओर से इसको प्रमोट किया जा रहा है और लोगों की थाली में फिर से वापस लाने का प्रयास किया जा रहा है। इसी परिपेक्ष्य में श्री अन्नों के उत्पादन व उपभोग को बढ़ावा देने हेतु भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान नई दिल्ली में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय मिलेट सम्मेलन का सजीव प्रसारण कृषि विज्ञान केंद्र कानपुर देहात में आयोजित किया गया। प्रधानमंत्री द्वारा दिया वक्तव्य की श्री अन्न द्वारा फूड हैबिट की समस्या का निदान हो सकता है पर सभी प्रतिभागी कृषक व महिलाओं ने ताली बजा कर समर्थन किया। कार्यक्रम में केंद्र के प्रभारी डॉक्टर ए. के. सिंह ने कृषकों का स्वागत करते हुए कहा कि आज के समय में ज्यादातर लोगों को पेट से जुड़ी समस्याएं परेशान करती हैं। महीन अनाज का सेवन इसके बड़े कारणों में से एक है। महीन अनाज खाने में बेशक स्वादिष्ट लगता हो, लेकिन सेहत के मामले में मोटा अनाज कहीं ज्यादा गुणकारी है। मोटा अनाज फाइबर का अच्छा स्रोत होता है और आपके पेट के लिए बहुत अच्छा माना जाता है। इसके अलावा मोटे अनाज में मिनरल्स, विटामिन्स आदि तमाम पोषक तत्व गेहूं और चावल की तुलना में कहीं ज्यादा होते हैं।

कार्यक्रम में केंद्र के वैज्ञानिक डॉ. खलील खान, डॉ राजेश राय, डॉ अरुण कुमार सिंह , डॉ शशि कांत, निमिषा अवस्थी के साथ कृषक चरण सिंह, छुन्ना सिंह, राजू, सुनील, कृषक महिला माया देवी, गुड़िया, मीना के साथ 65 कृषकों ने प्रतिभाग किया।

वर्ष-17 अंक-75 पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए कानपुर, रविवार 19 मार्च 2023

कानपुर व औरैया से एक साथ प्रकाशित, लखनऊ, इलाहाबाद, बुंदेलखंड, फतेहपुर, इटावा, कन्नौज, मैनपुरी, ऐटा, हरदोई, उन्नाव, कानपुर देहात में प्रसारित

दैनिक नगर छाया

RNI N.UPHIN/2007/27090

आप की आवाज़.....

www.nagarchhaya.com

'श्रीअन्न मोटे अनाज' पर प्रधानमंत्री जी के उद्बोधन का सजीव प्रसारण किसानों ने देखा

कानपुर (नगर छाया समाचार)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीपनगर पर आज श्रीअन्न मोटे अनाज पर मा. प्रधानमंत्री जी के उद्बोधन का सजीव प्रसारण किसानों को दिया कर दिखाया गया। श्री अन्न मोटे अनाज को कहा जा रहा है. समय के साथ ज्यादातर लोग गेहूं और चावल जैसे अनाज तक सीमित हो गए हैं और मोटे अनाज का इस्ेतेमाल काफी कम हो गया, जबकि भारत में कई तरह के मोटे अनाज की पैदावार होती है. मोटा अनाज सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होता है. भारत श्री अन्न का सबसे बड़ा उत्पादक और दूसरा सबसे बड़ा निर्यातक है. श्री अन्‍न की ताकत और इसके तमाम फायदों को देखते हुए सरकार की ओर से इसको प्रमोट किया जा रहा है और लोगों की थाली में फिर से वापस लाने का प्रयास किया जा रहा है। इसी परिपेक्ष्य में श्री अन्नों के उत्पादन व उपभोग को बढ़ावा देने हेतु भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान नई दिल्ली में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय मिलेट सम्मेलन का सजीव प्रसारण कृषि विज्ञान केंद्र कानपुर देहात में आयोजित किया गया। मा. प्रधानमंत्री जी द्वारा दिया वक्तव्य की श्री अन्न द्वारा फूड हैबिट की समस्या का निदान हो सकता है पर सभी प्रतिभागी कृषक व महिलाओं ने ताली बजा कर समर्थन किया। कार्यक्रम में केंद्र के प्रभारी डॉक्टर ए के सिंह ने कृषकों का स्वागत करते हुए कहा कि आज के समय में ज्यादातर लोगों को पेट से जुड़ी समस्याएं परेशान करती हैं।महीन अनाज का सेवन इसके बड़े कारणों में से एक है. महीन अनाज खाने में बेशक स्वादिष्ट लगता हो, लेकिन सेहत के मामले में मोटा अनाज कहीं ज्‍यादा गुणकारी है. मोटा अनाज फाइबर का अच्‍छा स्रोत होता है और आपके पेट के लिए बहुत अच्‍छा माना जाता है. इसके अलावा मोटे अनाज में मिनरल्स, विटामिन्स आदि तमाम पोषक तत्व गेहूं और चावल की तुलना में कहीं ज्यादा होते हैं। कार्यक्रम में केंद्र के वैज्ञानिक डॉ. खलील खान, डॉ राजेश राय, डॉ अरुण कुमार सिंह , डॉ शशि कांत, निमिषा अवस्थी के साथ कृषक चरण सिंह, छुन्ना सिंह, राजू, सुनील, कृषक महिला माया देवी, गुड़िया, मीना के साथ 65 कृषकों ने प्रतिभाग किया।